

nt>

Title: Regarding defamation of Shivaji by terming him as 'Mountain Rat' in a school book published by Ikon Publications.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने एक गम्भीर मामले की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। दिल्ली के Ikon Publication द्वारा प्रकाशित पाठ्य पुस्तक "My Book of GK" * में जो महाराष्ट्र के कान्वेंट एवं पब्लिक स्कूलों में चौथी कक्षा के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई जा रही है। इस पुस्तक के चैप्टर-29 (पेज संख्या 42) में भारत के महापुरुषों के निक-नेम्स अर्थात् उपनाम बताए गए हैं। जैसे -

Bapu Mahatma Gandhi

The Light of Asia Gautama Budha

Nightingale of India Sarojani Naidu

Netaji Subhash Chander Bose

The Lady with Lamp Florence Nightingale

Mountrain Rat Shivaji

मैं कहना चाहता हूँ कि वीर शिवाजी महाराज, जिन्हें हम "छत्रपति" के नाम से जानते हैं, उनके नाम के आगे माउंटेन रैट (Mountain Rat) लिखा गया है। यह एक गम्भीर मामला है। मैं माननीय मानव संसाधन मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि इस मामले की तुरन्त जांच की जाए। पुस्तक की लेखिका श्रीमती एन.के. कल्सी एवं प्रकाशक Ikon Publication, Delhi पर तुरन्त कार्रवाई कर उन्हें सजा दी जाए। इसके साथ ही जितनी भी पुस्तकें महाराष्ट्र राज्य एवं देश के अन्य भागों में पढ़ायी जा रही हैं, उन्हें जब्त किया जाए। **â€**(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have allowed him to mention it and again you are rising.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Geeteji, you wanted to have it and I have allowed him. Please cooperate.

श्री चंद्रकांत खैरे : महोदय, यह किताब बेन होनी चाहिए। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि इन पर ऐक्शन होना चाहिए। **â€**(व्यवधान)

*After finishing the speech, the hon. Member handed the book at the Table of the House. The Hon.Speaker has not treated the document as papers Laid on the Table.

MR. SPEAKER: In deference to your feelings I have allowed it. Please do not misuse it. This is my earnest request to you. We are going to rise early today.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर) : अध्यक्ष महोदय, यह मामूली मामला नहीं है। **â€**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मामूली नहीं है, इसीलिए उठाने की अनुमति दी है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Except Shri Yogi Adityanath, nothing else will be recorded.

(Interruptions)*

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, हाल ही में आन्ध्र प्रदेश की सरकार ने एक राट् विरोधी निर्णय लिया है**â€**(व्यवधान)

13.00 hrs.

अध्यक्ष महोदय: मैंने आपको बोलने का मौका दिया। अब क्या बात है? योगी जी एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाना चाहते हैं।

â€(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nobody is supporting it. Why are you saying that? Nobody has supported that. I thought it

important and I have allowed it to be raised. What more can I do?

...(Interruptions)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ कि जिस राट्ट पुरा का स्टैच्यू पार्लियामेंट के प्रीमाइसिज में सम्मान के साथ लगाया गया हो, उसके नाम पर यदि ऐसा अपमान हो तो सरकार को बयान देना चाहिए। **â€** (व्यवधान)

MR. SPEAKER: All of us respected him. We all participated in the function. We respect him. We respect him very much. It is not your monopoly.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Yogi Aditya Nath, if your friends are not allowing you, then I will adjourn the House.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Members, this is not the way to behave in the House.

...(Interruptions)

***Not Recorded.**

MR. SPEAKER: Hon. Member, your matter will be taken up for discussion today afternoon.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Today, there is a discussion on internal security and I will allow you to participate in that. आप उसमें हिस्सा लीजिए। मैं आपको बोलने का मौका दूंगा।

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय: आपकी बात हो गई। अब आप बैठ जाएं।

â€ (व्यवधान)